पायी गयी थी। परियोजना की अलाभ-प्रदता और आमान परिवर्तनों के लिए संसाधनों की कठिन स्थिति को देखते हुए इस परियोजना को शुरू नहीं किया जा सका।

गंगा–कावेरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी का चलाया जाना

1300. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का वाराणासी से मद्रास जाने वाली गंगा-कावेरी एक्सप्रेस रेलगाड़ी को दोनों तरफ से दैनिक चलाने का विचार है ; और

(ख) यदि हां तो इसे कब से शुरू किया जायेगा और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी नहीं।

(ख) कतिपय खण्डों पर लाइन क्षमता की तंगी और अतिरिक्त सवारी डिब्बों के कारण फिलहाल फेरे नहीं बढ़ाये जा सकते हैं।

आचार्य नरेन्द्र देव के सम्मान में स्मारक डाक टिकट

1301. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार महान् राष्ट्र भक्त और समाजवादी विचारक आचार्य नरेन्द्र की जन्म शताब्दी पर उनके सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी करने का विचार रखती है ; और

(ख) यदि हां तो इसके कब तक जारी किये जाने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) और (ख) आचार्य नरेन्द्र देव के सम्मान में एक डाक टिकट 19-2-1971 को पहले ही जारी किया जा चुका है। स्मारक विशेष डाक टिकट जारी करने के मानदंडों के अनुसार किन्हीं विशेष मामलों को छोड़कर किसी व्यक्ति के सम्मान में केवल एक डाक टिकट जारी किया जाता है। फिलहाल आचार्य नरेन्द्र देव की जन्म-शताब्दी के अवसर पर डाक टिकट जारी करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

दिल्ली परिवहन निगम का बजट

1302. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **जल–भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985–86 और 1986–87 के वर्षों के दौरान अलग-अलग दिल्ली परिवहन निगम के आय-व्यय के बजट का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) क्या इन बजटों में कोई घाटा दिखाया गया था; यदि हां तो इसके क्या कारण हैं और इसमें सुधार लाने के लिए सरकार ने क्या-क्या उपाय किये हैं ?

जल–भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलेट) (क) : दिल्ली परिवहन निगम के वर्ष 1985–86 और 1986–87 की आय और व्यय का ब्यौर निम्नलिखित है :

(करोड़ रुपए)

ब्यौरे	1985–86	1986–87 (अन्तिम)
आय	84.62	127.49
व्यय (ब्याज और मूल्य ह्रास के बिना)	162.31	165.79

(ख) 1985–86 के दौरान नकद घाटा 77.6 करोड़ रूपए था और 1986–87 के दौरान 38.30 करोड़ रुपए था।

दिल्ली परिवहन निगम में हो रहे घाटों का मुख्य कारण कम/रियायती किराया होना और निवेशों की लागत बढ़ना है। उत्पादकता में वृद्धि करने प्रति यनिट लागत में कमी करने, आर्थिक उपाय लागू करने, लीकेज रोकने और आय में वृद्धि करने की दृष्टि से प्रोत्साहन संबंधी उपाय शुरू करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा टायरों की खरीद

1303. श्रीमती रेणुका चौधरी : क्या **जल-भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम द्वारा समय-समय पर टायरों आदि की खरीद की जाती है ;

(ख) यदि हां तो गत दो वर्षों के दौरान प्रति वर्ष कितन-कितने नए टायर खरीदे गये ; और

(ग) दो वर्ष पहले निगम के स्टाक में नए और पुराने कितने टायर थे और पिछले इन दो वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष पुराने घोषित किये गये कितने टायर बेचे गये ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जी हां।

(ख) निगम ने 1985-86 में 23459 टायर खरीदे और 1986-87 में 23164 टायर खरीदे।

(ग) निगम के स्टाक में 1-4-85 को 4136 नए और 10342 स्क्रैप टायर थे। 1985-86 और 1986-87 के दौरान बचे गए स्क्रपड टायरों की कुल संख्या क्रमशः 35231 और 25498 है।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतें

1304. श्रीमती रेणुका चौधरी : क्या **जल-भूतल परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सड़क दुर्घटनाओं में हर वर्ष लगभग 30 हजार व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण सड़कों की दुरावस्था है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि "इंडियन रोड कांगरेस" ने इस तथ्य को सरकार के ध्यान में लाया है और यदि हां, तो सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी हां।

(ख) सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं—सड़कों की खराब दशा के साथ-साथ मानव भूतल और वाहनों में यांत्रिक खराबी।

(ग) भारतीय सड़क कांगरस भी राजमार्ग सुरक्षा संबंधी विषय पर अपने विचार व्यक्त करती रही है। हाल ही में सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद का गठन किया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1305. श्रीमती रेणुका चौधरी : क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय ने कई महाविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम आरम्भ किये है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन महाविद्यालयों में व्यावसायिक